भोजन मंत्र (Bhojan Mantra)

भोजन मंत्र (Bhojan Mantra)
ब्रह्मार्पणं ब्रह्महविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।ह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्म समाधिना।।
समाधिना।।
ॐ सह नाववतु।
तु।
सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।है।
तेजस्विनावधीतमस्तु।
तु।
मा विद्विषावहै।।है।।

ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति:।।

:।।

भोजन मंत्र (Bhojan Mantra) भोजन और व्यक्ति केमध्य एक
केमध्य एक
आध्यात्मिक संबंध देते हैं
देते हैं, जिससे व्यक्ति को धन्यता और संतोष का
न्यता और संतोष का
अनुभव होता होता हैं। इन मंत्रों को उच्चरित करते समयत करते समय, व्यक्ति को अपने
ने
भोजन को ईश्वर केअर्पण केरूप में स्वीकार करने की भावना रखनी
ना रखनी
चाहिए।ए।